Total No. of Questions : 2] [Total No. of Printed Pages : 3

Course Code
BHD – 02

Term End Examination - December, 2019

भक्तिकालीन हिंदी कविता (निर्गुण एवं रामभक्ति काव्यधारा)

Bachelors of Arts (Hindi) (BAHD)

Time : 3 hours *Full Marks* : 100

The figures in the right-hand margin indicate marks

Answer **all** Groups as directed

Candidates are required to write their answers in their own words as far as practicable

Group—A

विभाग—क

1. Answer any four questions : 15×4=60

(a) निर्गुण काव्य के स्वरूप और प्रवृतियों की सोदाहरण चर्चा कीजिए।

(b) कबीरदास के पठित साखियों के आधार पर कबीर के विचार प्रकट कीजिए।

(c) तुलसीदास के काव्य में निहित लोक तत्वों पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(d) तुलसीदास के पठित 'भरत महिमा' के आधार पर भरत के चरित्र की विशेषताएँ सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

(e) ज्ञानयश्री तथा प्रेमयश्री निर्गुण काव्यधारा की विशेषताओं की तुलना सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

(f) मलिक मुहम्मद जायसी के 'नागमती वियोग' के पठित पदों के आधार पर इसकी विशेषताएँ बताइए।

Group—B

विभाग—ख

2. Answer any four questions : 10×4=40

(a) निर्गुण संत काव्य की सामाजिक सांस्कृतिक भाव भूमि क्या थी ? प्रस्तुत कीजिए।

(b) निर्गुण काल में रहस्यवाद की भूमिका विषय पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(c) 'तुलसीदास अपने समय के महान समन्यववादी थे' – इस विषय पर अपने तर्क प्रस्तुत कीजिए।

(d) प्रेममार्गी भक्तिधारा क्या है ? सूफियों के प्रेमदर्शन का प्रभाव जायसी पर किस तरह पड़ा है – अपने शब्दों में लिखिए।

(e) सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

मिली सप्रेम रिपुसूदनहि केवटु भेंटउ राम।
भूरि भायं भेंट भरत लछिमन प्रनाम॥

(f) सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

ज्योंतिल मांही तेल है, ज्यों चकमक में आगि।
तेरा साईं तुज्झ में, जागि सके तो जागि॥

★★★